

**सोहिला, सोहिलौ** पुं. (देश.) सोहला, सोहर, संतानोत्पत्ति के अवसर पर गाया जाने वाला गीत।

**सोहूँ** स्त्री. (तद्.) कसम, सौंह।

**सोहौटी** स्त्री. (देश.) सोहावटी, पत्थर की वह पटिया या लकड़ी का मोटा तख्ता जो खिड़की या दरवाजे के ऊपरी भाग पर पाटन के रूप में लगा रहता है।

**सौँ** अव्य. (तद्.) सौँ, समान, सा, जैसा स्त्री. सौँहि, शपथ, कसम।

**सौँकारा** पुं. (तद्.) प्रातः काल, सुबह, तड़के।

**सौँकारे, सौँकेरे** अव्य. (देश.) तड़के, सबेरे, प्रातःकाल।

**सौँगंध** स्त्री. (तत्.) सौँगंध, शपथ, कसम, सौँह वि. सुगंधित, खुशबूदार पुं. सुगंधि, खुशबू।

**सौँगंधिक** वि. (तत्.) सुगंधित, खुशबूदार पुं. 1. इत्र बेचने वाला, गंधी 2. सफेद कमल 3. नील कमल 4. पुखराज नामक रत्न 5. गंधक 6. एक पौराणिक पर्वत 7. दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता इन तीनों का समूह।

**सौँगंध्य** पुं. (तत्.) 1. सुगंधि का भाव, गुण या धर्म, सुगंधत्व 2. खुशबू, महक, सुवास, सुगंध।

**सौँगाती** वि. (तुर्की.) 1. जो सौँगात के रूप में हो या सौँगात के रूप में दिया गया हो जैसे- सौँगाती आम 2. जो सौँगात या उपहार के रूप में दिए जाने के योग्य हो।

**सौँघाई** स्त्री. (देश.) अधिकता, बहुतायत।

**सौँचन** स्त्री. (देश.) 1. शौच, मल-त्याग।

**सौँचना** स.क्रि. (देश.) 1. शौच करना, मल-त्याग करना 2. मल-त्याग के उपरांत हाथ-पैर आदि धोना।

**सौँचर** पुं. (तद्.) काला नमक।

**सौँचाना** प्रेर.क्रि. (तद्.) शौच कराना या मल-त्याग कराना।

**सौँज** स्त्री. (फा.) साज-सामान।

**सौँटच** क्रि.वि. (देश.) सौँटका, खरी, शत-प्रतिशत, पूर्णतः जैसे- सौँटच खरी (बात) (अजेय)।

**सौँण** पुं. (देश.) शकुन।

**सौँतुख** अव्य. (तद्.) 1. आँखों के सामने, प्रत्यक्ष 2. आगे, सामने।

**सौँदन** स्त्री. (देश.) रेह खार मिले पानी में कपड़े भिगोना।

**सौँदना** स.क्रि. (तद्.) 1. सौँदन का काम करना 2. सानना।

**सौँदर्य** पुं. (तत्.) 1. सुंदर होने की अवस्था, गुण या भाव, सुंदरता 2. सुंदरता, रमणीयता, मनोहरता, चारुता।

**सौँदर्य बोध** पुं. (तत्.) कला, रचना आदि की सूक्ष्म सुंदरता का बोध/ज्ञान।

**सौँदर्य मीमांसा** पुं. (तत्.) दर्श. 1. दर्शनशास्त्र की एक शाखा जो सौँदर्य और कला के सिद्धांतों का अध्ययन विभिन्न रूपों में करती है 2. ललित कलाओं का दार्शनिक विवेचन करने वाला शास्त्र।

**सौँदर्यवाद** पुं. (तत्.) कला आदि में सौँदर्य को सर्वोपरि महत्व देने का सिद्धांत।

**सौँदर्यवादी** वि. (तत्.) सौँदर्यवाद संबंधी, सौँदर्यवाद का पुं. वह जो सौँदर्यवाद का अनुयायी, पोषक या समर्थक हो।

**सौँदर्यविज्ञान** पुं. (तत्.) सौँदर्यशास्त्र।

**सौँदर्यशास्त्र** पुं. (तत्.) वह शास्त्र जिसमें कलात्मक कृतियों, रचनाओं आदि से अभिव्यक्त होने वाले अथवा उनमें निहित रहने वाले सौँदर्य का तात्त्विक, दार्शनिक और मार्मिक विवेचन होता है।

**सौँदर्य सुधासागर** पुं. (तत्.) 1. सौँदर्य और प्रेम का सागर या अनंत भंडार 2. परमात्मा उदा. उस सौँदर्य सुधा सागर के कण है, हम तुम दोनों ही, (प्रेमपथिक-प्रसाद)।

**सौँदर्यानुभूति** स्त्री. (तत्.) 1. सौँदर्य की अनुभूति, सुंदरता का अनुभव 2. सौँदर्यपरक संवेदना।